



न्यायालय

## सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

गुडामालानी-बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2024/70

दर्ज तिथि:-02.02.2024

1. तीजो देवी पुत्री हुकमा पत्नी उदाराम  
जाति जाट निवासी मगनोणी गोदारों की बेरी तहसील नोखडा जिला बाड़मेर।

.....वादी

बनाम

1. हुकमा पुत्र ताजा
2. हनुमान पुत्र माला
3. वालाराम पुत्र चिमना
4. मगा पुत्र अना
5. अणदा पुत्र अना
6. खेमी पुत्री पता उर्फ प्रतापा
7. हीरो पुत्री पता उर्फ प्रतापा
8. हिमता पुत्र प्रहलादराम
9. केसाराम पुत्र प्रहलादराम
10. आईदानराम पुत्र प्रहलादराम
11. कबू देवी पत्नी वीरमाराम

जाति जाट निवासी मगनोणी गोदारों की बेरी राणासर खुर्द तहसील नोखडा

.....असल प्रतिवादीगण

12. शाखा प्रबंधक राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक शाखा गुडामालानी
13. तहसीलदार नोखडा

.....तकमीली प्रतिवादीगण

14. पुरो देवी पत्नी हनुमानराम

जाति जाट निवासी मगनोणी गोदारों की बेरी राणासर खुर्द तहसील नोखडा

.....असल प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री सुखराम विश्नोई

प्रतिवादीगण:- श्री डालूराम चौधरी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955



—:निर्णय:—

निर्णय तिथि:- 26.12.2025

1. आज यह पत्रावली वाद पत्र अन्तर्गत धारा-53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 का बाबत घोषणा, तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा वास्ते निर्णय किये जाने पेश हुआ है। प्रकरण का सूक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि वादी की ओर से वाद पत्र अन्तर्गत धारा-53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा के तहत पेश कर निवेदन किया गया कि संयुक्त आराजी खसरा संख्या 253/0.0162 है0, 484/254/16.0218 है0, वाके ग्राम गोदारों की बेरी तथा खसरा संख्या 167/4.6539 है0, वाके ग्राम बांड तहसील नोखड़ा जिला बाडमेर में अवस्थित है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादीगण एवं प्रतिवादीगण असल की शामलाती कब्जे काश्त खातेदारी की पैतृक आराजी है। उक्त पैतृक आराजी में वादी के हिन्दु उत्तराधिकार अधिनियम-1956 के तहत अधिकार निहित होने से खातेदारी घोषणा तथा घोषणा पश्चात विभाजन का दावा पेश किया गया है। अंत में उक्त पैतृक आराजी में वादी के हिन्दु उत्तराधिकार अधिनियम-1956 के तहत अधिकार निहित होने से खातेदारी घोषणा तथा घोषणा पश्चात वाद पत्र में उक्त विवादित आराजीयात का पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा किया जाकर कुर्रेजात कायम कराया जाकर अलग से खाता कायम कराया जाकर सहखातेदारों के लिए रास्ता कायम किया जाकर तकसीम शुदा आराजी का अमल राजस्व रिकॉर्ड में कराया जाकर वादी को तकसीम शुदा आराजी पर दखल दिलाया जाने का निवेदन किया गया।
2. वाद दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। प्रतिवादीगण संख्या 02 तथा 06-07 के अतिरिक्त समस्त प्रतिवादीगण के बाद तामील अनुपस्थित रहने के कारण एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गयी। प्रतिवादीगण संख्या 02 ने असालतन वकालतन उपस्थित न्यायालय होकर प्रतिदावा प्रस्तुत कर निवेदन किया कि उक्त आराजी पर वादीगण व प्रतिवादीगण ने मौके पर वहामी बंटवारा कर रखा है एवं मौके पर लंबे समय से काबिज काश्त है। अतः मौके पर वहामी बंटवारा कर रखा है एवं मौके पर लंबे समय से काबिज काश्त अनुसार बंटवारा किया जावे।
3. प्रकरण में वादी द्वारा अपना दावा प्रत्याहारित किया। फलस्वरूप प्रतिवादी का प्रतिदावा पर दौरान-ए-जिरह विद्वान अभिभाषक प्रतिवादी संख्या 02 व 14 ने निवेदन किया कि उक्त आराजी पर वादीगण व प्रतिवादीगण ने मौके पर वहामी बंटवारा कर रखा है एवं मौके पर लंबे समय से काबिज काश्त है। अतः मौके पर वहामी बंटवारा तथा मौका कब्जा अनुसार के अनुसार प्रतिवादी संख्या 02 व 14 का भी बंटवारा किया जावे।
4. प्रकरण में अभिभाषक प्रतिवादीगण की बहस सुनी गई। अभिभाषक प्रतिवादीगण द्वारा दौरान-ए-बहस बाई मिट्स एण्ड बाउण्डस बंटवारा किये जाने पर सहमति प्रदान करने पर प्रकरण में प्रारम्भिक डिक्री दिनांक 09.09.2024 को जारी की जाकर तहसीलदार नोखड़ा से कुर्रेजात रिपोर्ट तलब की गई। तहसीलदार नोखड़ा द्वारा अपने पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/723 दिनांक 19.08.2025 के द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट प्रेषित की गई। उक्त कुर्रेजात रिपोर्ट पर अभिभाषक प्रतिवादी द्वारा

सहमति प्रदान की तथा प्रकरण में अंतिम बहस सुनी गई। तहसीलदार नोखड़ा द्वारा अपने पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2024/723 दिनांक 19.08.2025 के द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट को तैयार करने की प्रक्रिया का विवरण निम्न प्रकार है:-

प्रक्रिया हेतु प्रावधान	अपनायी गई प्रक्रिया
<p><b>21. Preparation of map and demarcation of sub-divided fields.</b> - The Tehsildar shall prepare and place on record map showing in different colours the plots given to each party, and if any field has been sub-divided, he shall demarcate the portion at the expense of the parties.</p>	<p>प्रकरण में दिनांक 28.07.2025 को तहसीलदार नोखड़ा द्वारा मय पटवारी/गिरदावर स्वयं मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>
<p>प्रकरण में पक्षकारों को मौका निरीक्षण हेतु जरिये नोटिस मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>	<p>1. प्रकरण में समस्त वादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील नोखड़ा के नोटिस पत्रांक 1257-70 दिनांक 10.07.2025 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 28.07.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई। 2. प्रकरण में समस्त प्रतिवादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील नोखड़ा के नोटिस पत्रांक 1257-70 दिनांक 10.07.2025 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 28.07.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>

5. प्रकरण में प्रतिवादी द्वारा कुर्रेजात रिपोर्ट पर दी गई सहमति एवं बहस पर मनन किया एवं संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2074-2077 तथा कुर्रेजात रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण हाल आराजी खसरा संख्या 253/0.0162 है0, 484/254/16.0218 है0, वाके ग्राम गोदारों की बेरी तथा खसरा संख्या 167/4.6539 है0, वाके ग्राम बांड तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर के संयुक्त खातेदार है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण की शामलाती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। जिस संयुक्त आराजी में वादीगण तथा असल प्रतिवादीगण का हिस्सा दर्ज रिकॉर्ड होना प्रमाणित होता है। उक्त विवादित आराजीयात् अविभाजित है एवं राजस्व रिकॉर्ड में पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा नहीं हुआ है। वादीगण की कुर्रेजात रिपोर्ट पर सहमति को ध्यान में रखते हुए पक्षकारान के मध्य उक्त विवादित आराजीयात् का विधिक तकासमा किया जाना आवश्यक है। अतः प्रतिवादा प्रतिवादीगण मुताबिक विभाजन-प्रस्ताव (कुर्रेजात रिपोर्ट) मय नक्शा-ट्रेस एवं पक्षकारान सहमति के अनुसार डिक्री किया जाना न्यायोचित है।

6. प्रकरण में प्रतिवादी द्वारा तकसीम आराजी के साथ-साथ स्थाई निषेधाज्ञा का अनुतोष का भी जिक्र किया गया। प्रकरण में वादी के अनुतोष के विवेचन हेतु तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है। जो कि निम्न प्रकार है:-

**188. Injunction against wrongful ejection—**

(1) Any tenant whose right to or enjoyment of the whole or a part of his holding is invaded or threatened to be invaded by his landholder or any other person may bring a suit for the grant of a perpetual injunction.

(2) The court may after making the necessary enquiry grant a perpetual injunction in the following cases, namely-

(a) if there exist no standard for ascertaining the actual damage caused or likely to be caused by the invasion;

(b) if the invasion is such that pecuniary compensation does not afford adequate relief;

(c) where it is probable that pecuniary compensation cannot be got for the invasion.

(d) where the injunction is necessary to prevent a multiplicity of proceedings.

7. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 के अवलोकन से स्पष्ट है कि धारा-188 के अन्तर्गत किसी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों की आमदरफत में किसी प्रकार का व्यवधान/अतिक्रमण किया जा रहा हो/किया जाने वाला हो उस स्थिति में व्यवधान उत्पन्न/अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किए जाने के प्रावधान बनाए गए हैं। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 की उपधारा-2 में स्थाई निषेधाज्ञा जारी किए जाने हेतु निम्न चार परिस्थितियां बताई गई हैं:-

परिस्थिति	विवरण
1.	जब हो रहे/होने वाले संभावित अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान के आंकलन हेतु कोई मानक/मापदण्ड अस्तित्व में नहीं हो।
2.	जब अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ इस प्रकार का हो कि नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति पर्याप्त राहत/संतुष्टि प्रदान नहीं करता हो।
3.	जब इस तथ्य की संभावना हो कि अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति की प्रदानगी संभव नहीं होगी।
4.	जब निषेधाज्ञा राजस्व विवादों की बहुलता को रोकने हेतु आवश्यक हो।

8. इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रकरण में पत्रावली के अवलोकन के अनुसार स्पष्ट है कि प्रकरण में प्रतिवादी का प्रथम अनुतोष स्वीकार होने के पश्चात् मुतनाजा आराजी पर वादी का संयुक्त काश्तकार घोषित होने के आधार पर प्रतिवादी की संयुक्त खातेदारी होना पूर्ण रूप से साबित होती है। अतः मुतनाजा आराजी पर मुताबिक हिस्सा प्रतिवादी का संयुक्त स्वामित्व अविवादित है। प्रकरण में वादीगण व प्रतिवादीगण की आराजी का विभाजन किया जाना प्रस्तावित है। उक्त विभाजन के पश्चात् वादीगण व प्रतिवादीगण का पृथक-पृथक खाता कायम किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही हाल में संयुक्त आराजी का रिकॉर्ड में पृथक अंकन किया जाकर मौके पर उसी अनुसार कब्जा भी पृथक से सुपुर्द किया जाना प्रस्तावित है।

इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने हेतु अधिकृत व स्वतंत्र है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध खातेदारी अधिकारों पर नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इस आधार पर वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं करने हेतु स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है।

9. अतः हाल सह काश्तकार बाद तकसीम अपने पृथक-पृथक संबंधित खाते में दर्ज खातेदारी आराजी के अलावा अन्य खातेदारी आराजी पर बेदखल करने का प्रयास नहीं करने एवं आमद रफत में मजाहमत उत्पन्न नहीं करने बाबत स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित है। अतः

आदेश है कि

प्रतिदावा प्रतिवादी अन्तर्गत धारा-88, 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा संख्या 253/0.0162 है0, 484/254/16.0218 है0, वाके ग्राम गोदारों की बेरी तथा खसरा संख्या 167/4.6539 है0, वाके ग्राम बांड तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर मुताबिक कुर्रेजात रिपोर्ट मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार प्रतिदावा प्रतिवादी डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार नोखड़ा को दिये जाते हैं।

खातेदार	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
हनुमान पुत्र माला हि0 229/318 पूरोदेवी पत्नी हनुमानराम हि0 89/318 जाति जाट सा0 देह खातेदार	राणासर खुर्द	484/254	4.7811	बा0सो0
कुल किता 01 रकबा 4.7811 है0				
अणदा पुत्र अना हि0 122/1137 मगा पुत्र अना हि0 122/1137 आईदान पुत्र प्रहलाद हि0 244/3411 केशा पुत्र प्रहलाद हि0 244/3411 हिमता पुत्र प्रहलाद हि0 244/3411 कबूदेवी पत्नी वीरमाराम हि0 45/379 लेहरोंदेवी पत्नी गंगाराम हि0 45/379 वालाराम पुत्र चिमना हि0 244/1137 जाति जाट सा0 देह	राणासर खुर्द	484/254 484/254	4.1910 7.0497	बा0सो0 बा0सो0

तीजोदेवी पत्नी उदाराम हि0 45/379 जाति जाट सा0 फड़ोदों की ढाणी कोठाला धोरीमन्ना खातेदार				
कुल किता 02 रकबा 11.2407 है0				
अणदा पुत्र अना हि0 1/10 मगा पुत्र अना हि0 1/10 केसराराम पुत्र पेलाद उर्फ प्रहलाद हि0 1/15 आईदानराम पुत्र पेलाद उर्फ प्रहलाद हि0 1/15 हिमताराम पुत्र पेलाद उर्फ प्रहलाद हि0 1/15 तीजोदेवी पुत्री हुकमा हि0 1/5 पतु पुत्र ताजा हि0 1/5 वालाराम पुत्र चिमनाराम हि0 1/5 जाति जाट सा0 राणासर खुर्द खातेदार	नई बाण्ड	167	4.6539	बा0दो0
कुल किता 01 रकबा 4.6539 है0				

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा वादी एवं प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी एवं प्रतिवादी के उपरोक्त दर्ज खाता हिस्सा आराजी पर जबरन कब्जा बेदखल न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शकल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुर्रैजात निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। इसी अनुसार पृथक से पर्चा डिक्री तैयार की जाकर तहसीलदार नोखडा को पालनार्थ हेतु भिजवाई जावे। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह निर्णय आज दिनांक 26.12.2025 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)  
सहायक कलक्टर  
गुढामालानी-बाड़मेर



न्यायालय

## सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

### गुडामालानी-बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2024/70

दर्ज तिथि:-02.02.2024

1. तीजो देवी पुत्री हुकमा पत्नी उदाराम  
जाति जाट निवासी मगनोणी गोदारों की बेरी तहसील नोखडा जिला बाड़मेर।

.....वादी

बनाम

1. हुकमा पुत्र ताजा
2. हनुमान पुत्र माला
3. वालाराम पुत्र चिमना
4. मगा पुत्र अना
5. अणदा पुत्र अना
6. खेमी पुत्री पता उर्फ प्रतापा
7. हीरो पुत्री पता उर्फ प्रतापा
8. हिमता पुत्र प्रहलादराम
9. केसाराम पुत्र प्रहलादराम
10. आईदानराम पुत्र प्रहलादराम
11. कबू देवी पत्नी वीरमाराम

जाति जाट निवासी मगनोणी गोदारों की बेरी राणासर खुर्द तहसील नोखडा

.....असल प्रतिवादीगण

12. शाखा प्रबंधक राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक शाखा गुडामालानी
13. तहसीलदार नोखडा

.....तकमीली प्रतिवादीगण

14. पुरो देवी पत्नी हनुमानराम

जाति जाट निवासी मगनोणी गोदारों की बेरी राणासर खुर्द तहसील नोखडा

.....असल प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री सुखराम विश्‍नोई

प्रतिवादीगण:- श्री डालूराम चौधरी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955

-:पर्चा डिक्री:-

प्रतिदावा प्रतिवादी अन्तर्गत धारा-88, 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा संख्या 253/0.0162 है0, 484/254/16.0218 है0, वाके ग्राम गोदारों की बेरी तथा खसरा संख्या 167/4.6539 है0, वाके ग्राम बांड तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर मुताबिक कुरेजात रिपोर्ट मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार प्रतिदावा प्रतिवादी डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार नोखड़ा को दिये जाते हैं।

खातेदार	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
हनुमान पुत्र माला हि0 229/318 पूरोदेवी पत्नी हनुमानराम हि0 89/318 जाति जाट सा0 देह खातेदार	राणासर खुर्द	484/254	4.7811	बा0सो0
कुल किता 01 रकबा 4.7811 है0				
अणदा पुत्र अना हि0 122/1137 मगा पुत्र अना हि0 122/1137 आईदान पुत्र प्रहलाद हि0 244/3411 केशा पुत्र प्रहलाद हि0 244/3411 हिमता पुत्र प्रहलाद हि0 244/3411 कबूदेवी पत्नी वीरमाराम हि0 45/379 लेहरोंदेवी पत्नी गंगाराम हि0 45/379 वालाराम पुत्र चिमना हि0 244/1137 जाति जाट सा0 देह तीजोदेवी पत्नी उदाराम हि0 45/379 जाति जाट सा0 फड़ोदों की ढाणी कोठाला धोरीमन्ना खातेदार	राणासर खुर्द	484/254 484/254	4.1910 7.0497	बा0सो0 बा0सो0
कुल किता 02 रकबा 11.2407 है0				
अणदा पुत्र अना हि0 1/10 मगा पुत्र अना हि0 1/10 केसराराम पुत्र पेलाद उर्फ प्रहलाद हि0 1/15 आईदानराम पुत्र पेलाद उर्फ प्रहलाद हि0 1/15 हिमताराम पुत्र पेलाद उर्फ प्रहलाद हि0 1/15 तीजोंदेवी पुत्री हुकमा हि0 1/5 पतु पुत्र ताजा हि0 1/5 वालाराम पुत्र चिमनाराम हि0 1/5 जाति जाट सा0 राणासर खुर्द खातेदार	नई बाण्ड	167	4.6539	बा0दो0
कुल किता 01 रकबा 4.6539 है0				

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज खाता हिस्सा आराजी पर जबरन कब्जा बेदखल न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काशत में रूकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शक्ल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुर्रैजात निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। अहकाम जारी हो।  
खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह डिक्री आज दिनांक 26.12.2025 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाई गई।



(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)  
सहायक कलक्टर  
गुढामालानी-बाङमेर